अनुश्रवण एवं मूल्यांकन भ्रमण आख्या

पत्रांक–एस0एस0वी0 / एटा / 2018–19 / SPMU /7567-10 दिनांक– 15-10-2010

जनपद–एटा

दल के सदस्य–

1. अभय द्विवेदी, जनपदीय नोडल अधिकारी,एस0एस0वी0 / तकनीकी सलाहकार, एन0पी0सी0बी0, एन0सी0डी0।
2. सुरेश कुमार मौर्य, जनपदीय सदस्य, एस0एस0वी0 / कार्यक्रम सहायक, आर0आई0।

भ्रमण दिवस– दिनांक 26 से 29 सितम्बर, 2018 को जनपद एटा में जनपदीय नोडल एस0एस0वी0 दल द्वारा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण सम्पादित किया गया।

प्रथम दिवस

दिनांक–26 / 09 / 2018 –

टीम द्वारा जनपद लखनऊ से प्रातः 11.40 बजे से जनपद एटा सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के लिये प्रस्थान किया गया। टीम सायंकाल 05.30 बजे जनपद एटा पहुंची।

द्वितीय दिवस

दिनांक–27 / 09 / 2018 –

टीम प्रातः 9.30 से 11.00 बजे तक मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पहुंची। वहां पर नियमित टीकाकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत कोल्ड चेन कक्ष का निरीक्षण किया गया। सहयोगात्मक निरिक्षण के दौरान निम्न बिन्दु पाए गए–

- टीम के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि कोल्ड चेन कि जगह संतोषजनक व्यवस्थित नहीं थी। एवं कमरे में साफ सफाई का अभाव था।
- कोल्ड चेन कक्ष में 4 आई0एल0आर0 तथा 4 डीप फ्रिजर कियाशील अवस्था में पाए गए।
- डीप फ्रिजर एवं आई0एल0आर0 स्टैण्ड पर रखे पाए गए एवं सभी उपकरण पृथक रूप से स्टेबलाइजर संचालित हो रहे थे।
- आई० एल० आर० में सभी वेक्सीन मानकीय क्रम में रखे हुए मिले।
- डीप फ्रीजर में थर्मामीटर उपलब्ध थे एवं क्रियाशील अवस्था में पाए गए।
- डीप फ्रिजर एवं आई0एल0आर0 में टैम्परेचर लॉगबुक उपकरण के साथ लगे पाए गए। निरीक्षण के दौरान पाया गया गया कि टैम्परेचर लॉगबुक में सुबह एवं शाम का तामपान अंकित किया जा रहा है।
- वैक्सीन स्टाक रजिस्टर एवं ई–विन पर वैक्सीन के स्टाक के सम्बन्ध में वहां के कर्मिक द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया।
- कक्ष में पुराने नियमित टीकाकरण सारणी पायी गई। कक्ष में आई0ई0सी0 काफी पुरानी थी।

- रेफ्रिजरेटर मैकेनिक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद एटा के लिए कुल 20 डीप फ्रिजर आई0एल0आर0 एवं 35 स्टेबलाइजर डिमाण्ड राज्य स्तर को दे दी गई है।
- केंद्र पर मौजूद कर्मी को ई–विन एप्लीकेसन कि जानकारी थी।

टीम प्रातः 11.00 से 12.00 बजे तक मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं डी0पी0एम0यू0 के साथ वित्तीय एवं भौतिक प्रगति पर चर्चा के निम्न मुख्य बिन्दु पाए गए–

- जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई द्वारा माह अगस्त, 2018 तक ब्लाक, जिला चिकित्सालय एवं जनपद स्तरीय व्यय की संकलित सूचना सारणी में अंकित व्यय विवरण प्रगति संलग्न इकाईवार विवरण सूची से भिन्न पायी गयी।
- टीम द्वारा राज्य मुख्यालय पर जनपद से माह अगस्त, 2018 तक प्रेषित व्यय विवरण की सूचना को जनपद द्वारा संकलित सूचना से मिलान कराने पर पाया गया कि जनपद मुख्यालय की संकलित व्यय सूचना के आंकडें राज्य मुख्यालय को प्रेषित व्यय सूचना से मिलान कर रहे थे, किन्तु संलग्न इकाईवार व्यय सूचना संकलित सूचना में भिन्नता पायी गयी।
- उक्त वित्तीय व्यय की भिन्नता की स्थिति में टीम द्वारा गत माह में जिलाधिकारी, एटा की अध्यक्षता में आयोजित जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कार्यवृत्त में जनपद की संकलित व्यय सूचना एवं ब्लाकवार व्यय सूचना की तुलना करने पर पुनः वित्तीय व्यय सूचना की भिन्नता की पुष्टि पायी गयी।
- टीम द्वारा उपरोक्त वित्तीय भिन्नता पर जिलाधिकारी महोदय, एटा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक एवं आज टीम को जनपद से व्यय विवरण की समीक्षा हेतु प्रदत्त व्यय सूचना को सम्बन्धित व्यय भिन्नता की स्थिति पुष्टि कराते हुये जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई को ठीक कराने के निर्देश दिये गये। कार्यालय मुख्य चिकित्साधिकारी एवं डी0पी0एम0यू0 द्वारा अश्वस्त किया गया की इस प्रकार की पुनरावृत्ति भविष्य में नहीं पायी जायेगी।
- क्वालिटी मानकों पर चिकित्सालयों की प्रगति समीक्षा में पाया गया कि डा0 संजू लता, क्वालिटी कन्सलटेन्ट लगभग 01 माह पूर्व अपने पद नियुक्ति योगदान देकर बिना सूचना दिये लगभग 01 माह से अनुपस्थित है एवं टीम को यह भी जानकारी प्राप्त हुयी ।
- टीम द्वारा स्पष्ट निर्देश दिये गये डा0 संजू लता को अपने पद पर नियुक्ति योगदान देने के उपरान्त लगभग 01 माह बिना सूचना अनुपस्थित की जानकारी राज्य मुख्यालय इकाई क्वालिटी को जनपद द्वारा प्रेषित की जाये एवं डा0 संजू लता का वेतन आराहित नहीं किया जायेगा।
- टीम द्वारा जनपद में इकाईयों में आर0के0एस0 मद में उपलब्ध धनराशि को नियमतः कार्ययोजना बना कर जनहित/चिकित्सालय हित में व्यय किये जाने के निर्देश दिये गये।
- वित्तीय समीक्षा में पाया गया कि सम्बन्धित ब्लाक इकाईयों द्वारा राष्ट्रीय कार्यक्रम में आशा प्रतिपूर्ति राशि नहीं दी जा रही है, जिस पर टीम द्वारा डी0सी0पी0एम0 एवं बी0सी0पी0एम0 को निर्देश दिये गये कि 20 दिनों के भीतर आशा के समस्त लम्बित भुगतान के साथ राष्ट्रीय कार्यक्रमों की आशा प्रोत्साहन राशि शत–प्रतिशत आशाओं के खाते में स्थानांतरित कर दी जाये।
- टीम द्वारा मुख्य चिकित्साधिकारी एवं अपर मुख्य चिकित्साधिकारीगणों से चर्चा करने के उपरान्त कायाकल्प योजना के अन्तर्गत ब्लाक अवागढ़ एवं एक अन्य ब्लाक को उच्चीकृत किया जाये, जिससे जनपद स्तर पर अन्य इकाईयों को कायाकल्प के मानकों पर उच्चीकृत किया जा सकें।

टीम प्रातः 12.30 से 03.30 बजे तक मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं डी0पी0एम0यू0 के साथ जनपद के समस्त ब्लाक एवं जिला चिकित्सालय वित्तीय एवं भौतिक प्रगति पर चर्चा के निम्न मुख्य बिन्दु पाए गए–

- टीम द्वारा उपस्थित समस्त ब्लाक एवं जनपदीय चिकित्सालयों के प्रभारियों एवं लेखा प्रबन्धको से वित्तीय वर्ष 2018–19 में कुल स्वीकृत डैप एवं व्यय की प्रगति सूचना की जानकारी लेने पर संज्ञान में आया कि जनपद एटा द्वारा राज्य मुख्यालय को प्रेषित माह अगस्त 2018 की व्यय सूचना में प्रदर्शित भिन्नता की तुलना करने पर इकाई प्रभारियों द्वारा प्रदर्शित की गयी वित्तीय सूचना में भिन्नता की पुष्टि प्राप्त हुयी।
- टीम द्वारा तत्काल निर्देश दिये गये कि दिनांक 01/10/2018 को जिलालेखा प्रबन्धक एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, समस्त ब्लाक लेखा प्रबन्धको के साथ वित्तीय वर्ष 2018–19 में स्वीकृत डैप के सापेक्ष आवंटित मंदवार कुल धनराशि एवं व्यय पर प्राप्त भिन्नता को दूर करते हुये एकरूपता स्पष्ट करेगे साथ ही साथ ब्लाक लेखा प्रबन्धको को वित्तीय वर्ष 2018–19 में डैप के सापेक्ष समस्त भौतिक एवं वित्तीय दिशा–निर्देशो की छायाप्रति पृथक रूप से कार्यक्रम हित में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगे एवं उक्त भौतिक एवं वित्तीय भिन्न सूचना को स्पष्ट करते हुये राज्य स्तरीय टीम को संशोधित वित्तीय व्यय सूचना ई–मेल के द्वारा प्रेषित की जायेगी।
- जनपदस्तरीय समीक्षा बैठक में संज्ञान में आया कि एच0एम0आई0एस0 एवं एम0सी0टी0एस0 पोर्टल पर प्रगति सूचना आपेक्षित स्थिति में नहीं अपलोड होने की दशा में सम्बन्धित ब्लाक की बी0पी0एम0यू0 का वेतन जनपद स्तर से रोका गया था किन्तु बी0पी0एम0यू0 द्वारा सम्बन्धित सूचना को पोर्टल पर अद्युनान्त किये जाने के उपरान्त भी सम्बन्धित बी0पी0एम0यू0 में कार्यरत संविदाकर्मी का वेतन भुगतान नहीं किया गया जिस पर नोडल एन0एच0एम0 द्वारा टीम को अवगत कराया गया की 2 दिवस के भीतर वेतन का भुगतान कर दिया जायेगा।
- समीक्षा बैठक में प्रतिभागी अधीक्षक/प्रभारी चिकित्सा अधिकारीगणों द्वारा टीम को अवगत कराया गया कि जनपद मुख्यालय से कार्यक्रम के दिशा–निर्देश प्राप्त नहीं हो पाते है, तद्सम्बन्ध में टीम द्वारा प्रोजेक्टर पर www.upnrhm.gov.in पर वित्तीय वर्ष वार एवं कार्यक्रम वार दिशा–निर्देशों की उपलब्धता को प्रदर्शित किया गया जिससे आवश्यकता पड़ने पर सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा सहजता से वांछनिय दिशा–निर्देश को प्राप्त किया जा सकें।

टीम प्रातः 03.30 से 05.30 बजे तक मुख्य चिकित्साधिकारी, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं डी0पी0एम0यू0 के साथ आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम पर चर्चा के निम्न मुख्य बिन्दु पाए गए–

- टीम द्वारा जनपद के समस्त ब्लाक में कार्यरत टीमें 'ए' एवं टीम 'बी' के समस्त दलों के सदस्यो के साथ प्रगति पर चर्चा की गयी।
- डी0आई0सी0 मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि ब्लाक आर0बी0एस0के टीमों द्वारा प्रत्येक सप्ताह जनपद मुख्यालय पर रेफर बच्चो को संदर्भित किये जाने के परिपेक्ष्य में सम्बन्धित ब्लाक इकाई से आर0बी0एस0के0 वाहन में आर0बी0एस0के0 चिकित्सक टीम से कोई भी चिकित्सक उपस्थित नहीं होता जिससे बच्चो के चिकित्सकीय संदर्भन में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है, जिस पर टीम द्वारा निर्देश दिये गये कि प्रत्येक आर0बी0एस0के0 चिकित्सक दल से रेफर बच्चो के साथ एक चिकित्सक न्यूनतम अनिवार्य रूप से उपस्थित होगा।
- टीम द्वारा ब्लाक के आर0बी0एस0के0 चिकित्सक दलों में लॉजिस्टिक का अभाव पाया जिस पर टीम द्वारा तत्काल समस्त टीमो से लॉजिस्टिक इन्डेट भरवाकर नोडल एन0एच0एम0 एवं डी0पी0एम0 को उपलब्ध कराते हुये यह निर्देश दिये गये कि 15 दिवस के भीतर समस्त लॉजिस्टिक सम्बन्धित आर0बी0एस0के0 चिकित्सक दल को उपलब्ध करायी जायेगी।
- टीम द्वारा जनपद में 8 ब्लाक इकाईयों पर कार्यरत 16 ब्लाक वाहनो का भौतिक सत्यापन किया गया जिसमें क्रमशः स्थिति पायी गयी–
    1. आर0बी0एस0के0 ई–टेण्डर में एजेंसी द्वारा वर्णित व ई–टेण्डर के माध्यम से चयनित अधिकतम वाहन न होकर अन्य वाहन लगाये गये है।
    2. आर0बी0एस0के0 वाहन एवं लॉगबुक के मीटर रिडीग में भिन्नता पायी गयी।
    3. आर0बी0एस0के0 वाहनो में अधिकतम वाहन जी0पी0एस0 नहीं लगा पाया गया।

4. ब्लाक जैथरा आर0बी0एस0के0 दल बी वाहन सं0– DLIV B 8544 वाहन स्वामी संदीप सक्सेना एवं ब्लाक सकीट वाहन UP 82 V 7333 वाहन स्वामी सुनील कुमार यादव का मीटर भौतिक सत्यापन में अक्रियाशील पाया गया।

उक्त आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम की स्थिति से जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई, डी0आई0सी0 मैनेजर, नोडल आर0बी0एस0के0, नोडल एन0एच0एम0 एवं मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय एटा को इस आशय से अवगत कराया गया कि तद्सम्बन्ध में राज्य द्वारा प्रेषित भौतिक एवं वित्तीय नियमों को दृष्टिगत रखते हुये कार्यक्रम में वाहनो का संचालन एवं भुगतान किया जायें।

- टीम द्वारा समस्त आर0बी0एस0के0 चिकित्सको को कार्यक्रम में निर्गत दिशा–निर्देशों से अवगत कराते हुये अवगत कराते हुये उनका अक्षरशः अनुपालन किया जाना है एवं लॉगबुक में पायी गयी कमियों की पुनरावृत्ति न किये जाने के निर्देश दिये गये।
- आर0बी0एस0के0 चिकित्सक दलों द्वारा अवगत कराया गया कि ब्लाक आर0बी0एस0के0 माइक्रोप्लान आर0बी0एस0के0 चिकित्सक दल के चिकित्सक अपने व्यक्तिगत धनराशि व्यय कर बनाया गया है, किन्तु अभी तक उन्हें उसके सापेक्ष भुगतान प्राप्त नहीं किया गया है तद्सम्बन्ध में टीम द्वारा निर्देश दिये गये कि 15 दिवसों के भीतर सम्बन्धित भुगतान जनपद द्वारा करना सुनिश्चित किया जायेगा।
- जनपद में आर0बी0एस0के0 कार्यक्रम में भौतिक सत्यापन में विवरण सूची आख्या के साथ सुलभ संदर्भ हेतु संलग्न है।

तृतीय दिवस

दिनांक–28/09/2018 –

टीम द्वारा जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर के साथ संयुक्त रूप से प्रातः 9.15 पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अवागढ़ का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। जिसमें कमशः मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं–

- केन्द्र के अधिक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रमें प्रतिदिन 250 तक ओ0पी0डी0 होती है। इसी प्रकार आई0पी0डी0 प्रतिदिन 8 से 10 हो रही है। कभी कभी यह संख्या बढ़ भी जाती है। गत माह से लेकर अब तक कुल 834 डिलीवरी हुई हैं। स्टील बर्थ की संख्या कुल 2 हैं।
- केन्द्र पर सभी नवजात शिशुओं का बर्थ की डोज दी जा रही है।
- टीम के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पुराना एम0सी0पी0 कार्ड का प्रयोग किया जा रहा है।
- आर0बी0एस0के0 टीम प्रातः 9.45 पर केन्द्र पर पहुंची। टीम द्वारा अवगत कराया गया कि केन्द्र पर समय से पहुंचा करे।
- ब्लाक कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर मातृत्व अवकाश पर चल रही है।
- टीम के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि वहां के स्टाफ का मानदेय हर माह समय से मिल जाती है।
- केन्द्र पर शिकायत पेटिका उपलब्ध नहीं पाया गया। टीम द्वारा निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द शिकायत पेटिका बनवाया जाए।
- कण्डोम बाक्स उपलब्ध नहीं पाए गए।
- प्रसव पंजिका 40 लाइन वाली प्रयोग की जा रही है।
- लेबर रूम में 7 ट्रे मानकानुसार पाई गयी।
- लेबर रूम में डिजीटल घड़ी नहीं पाई गई।
- रेडियेन्ट वार्मर क्रियाशील अवस्था में पाई गई।

- केन्द्र पर इलेक्ट्रानिक बजन मशीन का उपयोग किया जा रहा है।
- इकाई के प्रांगण में साफ–सफाई पाई गयी।
- मरीज के तीमारदारों के बैठने के लिए कुर्सियां लगाई गई थी। पानी पीने की व्यवस्था ठीक प्रकार से की गई थी।
- इकाई के प्रांगण में मानकानुसर आई0ई0सी0 पाई गयी।
- लेबर रूम के अन्दर टेबल पर मैकेनटास बिछी हुई पाई गई।
- अम्बूबैग क्रियाशील अवस्था में पाई गई।
- इकाई के कोल्ड चेन रूम में 2 आई0एल0आर0 एवं 4 डीप फ्रिजर पाए गए। टीम के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ई–विन का एक टैम्परेचर लागर खराब पड़ा हुआ है। निर्देशित किया गया कि जिले के वी0सी0सी0एम0 से सम्पर्क कर इसको तत्काल सही कराया जाय। डीप फ्रिजर एवं आई0एल0आर0 स्टैण्ड पर रखे पाए गए एवं सभी उपकरण पृथक रूप से स्टेबलाइजर संचालित हो रहे थे।
- आई० एल० आर० में सभी वेक्सीन मानकीय क्रम में रखे हुए मिले।
- डीप फ्रीजर में थर्मामीटर उपलब्ध थे एवं क्रियाशील अवस्था में पाए गए।
- टीम द्वारा जे0एस0वाई0 लाभार्थियों से डिलीवरी, एम्बुलेन्स, जे0एस0के0 भोजन आदि विषय पर पूछे जाने पर समस्त सेवाएं निशुल्क प्रदान किए जाने की पुष्टि हुई जिस पर टीम द्वारा अधिक्षक की हौसला आफजाई की गई।
- इकाई पर आशाएं अपनी यूनीफार्म में नहीं पाई गई जिसे टीम द्वारा अधिक्षक को क्षमता वर्धन किया गया कि आशाओं को प्रदान यूनीफार्म में पी0एच0सी0 पर एवं प्रतिरक्षण सत्रों आदि पर अनिवार्य रूप से पहनने के लिए प्रेरित किया जाए जिससे एन0एच0एम0 की सामाजिक पहचान व प्रमुखता को बढ़ावा प्रदान हो।

टीम द्वारा जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर के साथ संयुक्त रूप से अपरान्ह 12.00 बजे जिला महिला अस्पताल का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। जिसमें कमशः मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं–

- टीम द्वारा मुख्य चिकित्साधिक्षक के साथ वित्तीय प्रगति पर चर्चा की गई। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि जिला महिला अस्पताल में कुल 17.11 लाख कमिटेड धनराशि के रूप में रक्षित कराई गई है। जिसमें से जे0एस0वाई0 का कुल 3.87 लाख है। जिला महिला अस्पताल में मानव संसाधन की कमी है। इस प्रकरण को जिला कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर के संज्ञान में लाया गया।
- अस्पताल के मुख्य चिकित्साधिक्षक द्वारा अवगत कराया गया कि गत माह में कुल 414 डिलीवरी हुई हैं। जिला महिला अस्पताल कुल 18 बेड का है। लैब टक्निशियन का पद रिक्त है।
- टीम के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि प्रांगण में 100 बेड का अस्पताल निर्माणाधीन है।
- जिला महिला अस्पताल पर आशाएं अपनी यूनीफार्म में नहीं पाई गई जिसे टीम द्वारा कम्यूनिटी प्रोसेस मैनेजर को क्षमता वर्धन किया गया कि आशाओं को प्रदान यूनीफार्म में पी0एच0सी0 पर एवं प्रतिरक्षण सत्रों आदि पर अनिवार्य रूप से पहनने के लिए प्रेरित किया जाए जिससे एन0एच0एम0 की सामाजिक पहचान व प्रमुखता को बढ़ावा प्रदान हो।
- टीम द्वारा वार्ड के निरीक्षण के दौरान पाया गया कि वार्ड में बहुत कम जगह है।
- टीम द्वारा जे0एस0वाई0 लाभार्थियों से डिलीवरी, एम्बुलेन्स, जे0एस0के0 भोजन आदि विषय पर पूछे जाने पर समस्त सेवाएं निशुल्क प्रदान किए जाने की पुष्टि हुई जिस पर टीम द्वारा अधिक्षक की हौसला आफजाई की गई।

- टीम के निरीक्षण के दौरान प्रसूति का लेबर पेन हो रहा था इस कारण टीम द्वारा लेबर की गहनता से परीक्षण नहीं हो सका।
- वार्ड में साफ–सफाई की पाई गई। वार्ड में डाइट चार्ट भी पाई गई।
- स्टोर में दवाईयां प्रचुर मात्रा में पाई गई।
- मरीजों के तीमारदारों के लिए विश्राम कक्ष बने हुए थे।
- ओ0पी0डी0 के बरामदे में सिटीजन चार्ट लगे पाए गए। एल0ई0टी0 टी0वी0 लगी पाई गई।
- ओ0पी0डी0 के अन्दर जगह–जगह आई0ई0सी0 मानकानुसार पाई गई।
- कलर कोडेड डस्टबिन का प्रयोग किया जा रहा था।
- कण्डोम बाक्स नहीं लगे थे।
- टीकाकरण केन्द्र पर सभी नवजात शिशुओं का बर्थ की डोज दी जा रही है। एन0एन0एम0 द्वारा के द्वारा लाभार्थियों को टीकाकरण के पश्चात् ठीक प्रकार से four key message नहीं दिए जा रहे थे।

पत्रांक–एस0एस0वी0 / एटा / 2018–19 / SPMU/7567–10 तद्दिनांक– 15.10.2018

प्रतिलिपि– सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही के साथ सम्बन्धित अधिकारी द्वारा अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के सम्बन्ध हेतु।

1. महानिदेशक , चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य भवन, उ0प्र0, लखनऊ।
2. महानिदेशक , परिवार कल्याण, उ0प्र0, लखनऊ।
3. समस्त सम्बन्धित एस0पी0एम0यू0, अनुभाग।
4. अपर निदेशक, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ को इस आशय से कि उक्त बिन्दुओं में जनपद एटा में आपेक्षित सुधार एवं प्रतिमाह राज्य स्तर से गठित सहयोगात्मक पर्यवेक्षण दल के साथ एन0एच0एम0 में संविदा पर कार्यरत विभिन्न–विभिन्न कार्यक्रमों के मण्डल स्तरीय सलाहकार / समन्वयकों / प्रबन्धक को पर्यवेक्षण भ्रमण में कार्यक्रम की गुणवत्ता हेतु शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करायेगे।
5. जिलाधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, एटा
6. मुख्य चिकित्साधिकारी / सचिव जिला स्वास्थ्य समिति एटा।
7. समस्त उप / अपर मुख्य चिकित्साधिकारी, एटा।
8. समस्त एन0एच0एम0 जनपद स्तरीय प्रबन्धक / सलाहकार / समन्वयक आदि।
9. समस्त ब्लाक प्रभारी / अधीक्षक एटा।
10. समस्त एच0ई0ओ0 / ए0आर0ओ0 / बी0पी0एम0यू0 तथा सम्बन्धित पैरामेडिकल स्टाफ।

(सुरेश कुमार मौर्य)	**(अभय द्विवेदी)**	**(डा0 हरिओम दीक्षित)**
प्रोग्राम असिस्टेन्ट–आर0आई0	तक0 सलाहकार, एन0सी0डी0	कार्य0 महाप्रबन्धक, क्यू0ए0